# भारत-मॉरीशस पार्टनर नहीं परिवार, दोनों देश स्थानीय मुद्रा में करेंगे कारोबार : मोदी

## वाराणसी में प्रधानमंत्री की मॉरीशस के पीएम रामगुलाम के साथ बातचीत...6000 करोड़ रुपये का आर्थिक पैकेज देगा भारत

अमर उजाला ब्यूरो

**वाराणसी।** मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम के साथ द्विपक्षीय शिखर वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत-मॉरीशस महज पार्टनर नहीं, बल्कि परिवार हैं। उन्होंने कहा, पिछले साल मॉरीशस में यूपीआई और रुपे कार्ड की शुरुआत हुई। अब हम स्थानीय मुद्रा में व्यापार करने की दिशा में काम करेंगे।

इस मौके पर दोनों देशों के बीच सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। भारत ने 68 करोड़ डॉलर यानी करीब 6,000 करोड़ रुपये के विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा भी की। मॉरीशस इसका उपयोग बुनियादी ढांचा व स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने व रोजगार बढ़ाने में करेगा। पीएम मोदी एवं रामगुलाम ने प्रतिनिधि मंडल स्तर की बैठक से पहले अकेले में भी बात की। प्रधानमंत्री ने रामगुलाम का स्वागत करते हुए कहा, काशी में मां गंगा के अविरल प्रवाह की तरह भारतीय संस्कृति का सतत प्रवाह मॉरीशस को समृद्ध करता रहा है। काशी में मॉरीशस के दोस्तों का स्वागत औपचारिक नहीं, बल्कि आत्मिक मिलन है। भारत व मॉरीशस दो देश हैं, पर हमारे सपने एक हैं। उन्होंने मॉरीशस को पड़ोसी प्रथम नीति और विजन महासागर का एक अहम स्तंभ बताया।

वाराणसी में बृहस्पतिवार को द्विपक्षीय बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम। एजेंसी

ब्रिटेन से चागोस द्वीपसमूह समझौते पर मोदी ने मॉरीशस के लोगों व पीएम रामगुलाम को बधाई दी। कहा, यह मॉरीशस की संप्रभुता की ऐतिहासिक जीत है। भारत ने द्वीपसमूह पर मॉरीशस की संप्रभुता का समर्थन किया था। पीएम मोदी ने कहा, पांच साल तक भारत ईईजेड के साझा सर्वेक्षण, नेविगेशन चार्ट व हाइड्रोग्राफिक डाटा मुहैया कराने में मदद करेगा। इस मौके पर रामगुलाम ने कहा, भारत हमेशा मॉरीशस के साथ खड़ा रहा है। वाराणसी में मिले स्वागत से अभिभूत हूं।

>> 17.5 मेगावॉट का फ्लोटिंग सोलर पावर प्रोजेक्ट लगाएगा भारत : भीतर पढ़ें

### स्थिर और समृद्ध हिंद महासागर प्राथमिकता

भारत हमेशा मॉरीशस की संप्रभुता के पक्ष में रहा है। स्थिर और समृद्ध हिंद महासागर हमारी साझा प्राथमिकता है। मॉरीशस के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र की सुरक्षा और समुद्री क्षमता को मजबूत करने के लिए भारत पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

– नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

### जनऔषधि केंद्र खुला, अब आयुष केंद्र स्थापित करेंगे

पीएम मोदी ने विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा करते हुए कहा कि यह द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करेगा। मॉरीशस में जनऔषधि केंद्र खुल चुका है। अब भारत वहां आयुष सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, राष्ट्रीय अस्पताल के निर्माण में सहयोग करेगा। चागोस मरीन प्रोटेक्टेड एरिया, इंटरनेशनल एयरपोर्ट के एटीसी टावर और हाईवे और रिंग रोड विस्तार को भी आगे बढ़ाएगा।